No. of Printed Pages : 4 **BPY-010**

00511

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2018

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-010 : EPISTEMOLOGY

Time : 3 hours *Maximum Marks : **100***

Note : *(i) Answer all five questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Analyze different theories of truth. **20**

OR

Discuss definitions of 'perception' according to different Indian philosophers. **20**

2. Critically discuss nature and possibility of knowledge as in Foundationatism and Coherentism. **20**

OR

How is knowledge defined as 'Justified true belief' ? Critically evaluate. **20**

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :

(a) Illustrate the scope of Epistemology. **10**

(b) Explain the role of 'trustworthy person' (apta) in Testimony (sabda). **10**

(c) Discuss the role of subject-object relationship in obtaining truth. **10**

(d) What is Nominatism and Conceptualism ? Explain. **10**

4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Enumerate the philosophical position of skepticism. **5**

(b) Explain Sphota Theory of Meaning. **5**

(c) Explain Aquinas' universals by Realism. **5**

(d) What is Naturalized Epistemology ? **5**

(e) What is certitude of knowledge ? **5**

(f) Explain Noumena and Phenomena. **5**

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Epistemic Justification **4**

(b) Empiricism **4**

(c) Pramana **4**

(d) Induction **4**

(e) Contextual Continuity **4**

(f) Invariable Concomitance **4**

(g) Doubt **4**

(h) Phenomenology **4**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसंबर, 2018

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

---

1. सत्य के विभिन्न सिद्धान्तों का विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

विभिन्न भारतीय दार्शनिकों के अनुसार 'प्रत्यक्ष' की परिभाषाओं पर विमर्श कीजिए। 20

2. आधारभूतवाद और संगततावाद में विचारित ज्ञान की प्रकृति और सम्भावना की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। 20

अथवा

ज्ञान को प्रमाणित सत्य विश्वास के रूप में किस प्रकार परिभाषित किया जाता है? आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(a) ज्ञानमीमांसा के विषय-क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए। 10

(b) शब्द प्रमाण में 'आप्त पुरुष' की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 10

(c) सत्य प्राप्ति में विषयी-विषय के मध्य सम्बंध की भूमिका पर विमर्श कीजिए। 10

(d) नामवाद और संप्रत्ययवाद क्या है? व्याख्या करें। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(a) संशयवाद की दार्शनिक स्थिति का वर्णन कीजिए। 5

(b) अर्थ के स्फोट सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 5

(c) यथार्थवादी दृष्टि से ऐक्वीनास के 'सामान्यों' की व्याख्या कीजिए। 5

(d) प्राकृतिकृत ज्ञानमीमांसा क्या है? 5

(e) ज्ञान की निश्चितता से क्या तात्पर्य है? 5

(f) सत् एवं आभास की व्याख्या करें। 5

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** के प्रत्येक पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) ज्ञानात्मक प्रमाणीकरण 4

(b) अनुभववाद 4

(c) प्रमाण 4

(d) आगमन 4

(e) सन्दर्भगत निरन्तरता 4

(f) नियत सहचार्य 4

(g) सन्देह 4

(h) संवृत्तिशास्त्र 4